Laagi Tum Sang Yaari Mere Banke Bihari Lyrics in Hindi English

Laagi Tum Sang Yaari Mere Banke Bihari Lyrics in Hindi

मेरे बांके बिहारी,
बांके बिहारी, मेरे कुंज बिहारी,
लागीं तुम संग यारी,
मेरे बांके बिहारी ॥

कटी में पीताम्बर,
गले में है माला,
मुकुट को धारण,
किए है गोपाला,
घूंघराली लट कारी कारी,
मेरे बांके बिहारी,
लागीं तुम संग यारी,
मेरे बांके बिहारी ॥

साँवरी सूरत के,
दर्शन तुम्हारे,
मुरली मनोहर,
जबसे निहारे,
बन बैठे तेरे पुजारी,
मेरे बांके बिहारी,
लागीं तुम संग यारी,
मेरे बांके बिहारी ॥

निधिवन में नित,
रास रचावे,
सब सखियाँ मिल,
गीत सुनावे,
नाचे है बारी बारी,
मेरे बांके बिहारी,
लागीं तुम संग यारी,
मेरे बांके बिहारी ॥

श्री हरिदास के,
प्यारे हो तुम,
मेरी भी आँखों के,
तारे हो तुम,
चरण कमल बलिहारी,
मेरे बांके बिहारी,
लागीं तुम संग यारी,
मेरे बांके बिहारी ॥

लागी तुम संग यारी,
मेरे बांके बिहारी,

बांके बिहारी, मेरे कुंज बिहारी,
लागीं तुम संग यारी,
मेरे बांके बिहारी ॥

Laagi Tum Sang Yaari Mere Banke Bihari Lyrics in English

Mere Banke Bihari,
Banke Bihari, mere Kunj Bihari,
Laagi tum sang yaari,
Mere Banke Bihari.

Kati mein Peetambar,
Gale mein hai maala,
Mukut ko dhaaran,
Kiye hai Gopala,
Ghunghraali lat kaari kaari,
Mere Banke Bihari,
Laagi tum sang yaari,
Mere Banke Bihari.

Saanwari soorat ke,
Darshan tumhare,
Murli manohar,
Jabse nihare,
Ban baithe tere pujari,
Mere Banke Bihari,
Laagi tum sang yaari,
Mere Banke Bihari.

Nidhivan mein nit,
Raas rachave,
Sab sakhiyan mil,
Geet sunaave,
Naache hai baari baari,
Mere Banke Bihari,
Laagi tum sang yaari,
Mere Banke Bihari.

Shri Haridas ke,
Pyaare ho tum,
Meri bhi aankhon ke,
Tare ho tum,
Charan kamal balihaari,
Mere Banke Bihari,
Laagi tum sang yaari,
Mere Banke Bihari.

Laagi tum sang yaari,
Mere Banke Bihari,
Banke Bihari, mere Kunj Bihari,
Laagi tum sang yaari,
Mere Banke Bihari.

About Laagi Tum Sang Yaari Mere Banke Bihari Bhajan in English

“Laagi Tum Sang Yaari Mere Banke Bihari” is a heartfelt devotional bhajan dedicated to Lord Krishna, also known as Banke Bihari, expressing the deep love and unwavering devotion of a devotee towards the divine. This bhajan beautifully portrays the spiritual connection between the devotee and Lord Krishna, highlighting the intimate relationship and the divine bond that Krishna shares with his devotees.

The bhajan describes Krishna’s enchanting form—adorned with a yellow dhoti, a garland, and a crown—capturing his divine and playful nature. The mention of his “ghunghraali lat” (curly locks) adds to the portrayal of Krishna’s beauty and charm. The devotee expresses their admiration and deep love for Krishna, recognizing him as the ultimate source of joy and peace.

The bhajan also speaks about the sacred “Raas” in Nidhivan, where Lord Krishna dances with his devotees, further emphasizing the divine bliss that comes from being in his presence. The devotee reflects on how their heart has been captivated by Krishna’s divine music (the flute) and has become his ardent worshipper.

Through the repetition of “Laagi Tum Sang Yaari,” the bhajan celebrates the unbreakable bond between Lord Krishna and the devotee, signifying that once Krishna enters one’s heart, the soul is forever bound to him in love and devotion. This bhajan inspires deep affection for Lord Krishna and invites listeners to surrender to his divine love.

About Laagi Tum Sang Yaari Mere Banke Bihari Bhajan in Hindi

“लागी तुम संग यारी मेरे बांके बिहारी” भजन के बारे में

“लागी तुम संग यारी मेरे बांके बिहारी” एक सुंदर और भावपूर्ण भजन है जो भगवान श्री कृष्ण, जिन्हें बांके बिहारी के नाम से भी जाना जाता है, के प्रति भक्त की गहरी श्रद्धा और प्रेम को व्यक्त करता है। यह भजन भगवान कृष्ण और भक्त के बीच के अद्भुत और दिव्य रिश्ते को दर्शाता है, जिसमें कृष्ण के साथ एक सजीव और आत्मीय संबंध की अनुभूति होती है।

भजन में भगवान कृष्ण की रूप की सुंदरता का वर्णन किया गया है—पीताम्बर पहने हुए, गले में माला, सिर पर मुकुट और घुंघराली लटों से सजे हुए। इन विवरणों से भगवान कृष्ण की मोहक और आकर्षक छवि का चित्रण होता है। भक्त कृष्ण के प्रति अपनी असीम भक्ति और प्रेम व्यक्त करता है, यह मानते हुए कि कृष्ण का दर्शन और उनका नाम जीवन को संपूर्ण सुख और शांति प्रदान करता है।

भजन में निधानवन में कृष्ण के साथ रास रचाने और उनकी मुरली के स्वर में डूबने का जिक्र है, जो दर्शाता है कि कृष्ण के साथ एकमात्र होने पर जीवन में दिव्यता और आनंद का अनुभव होता है। भजन का प्रमुख संदेश यह है कि जब भगवान कृष्ण का प्रेम दिल में समा जाता है, तो जीवन का हर पहलू पूर्ण हो जाता है और आत्मा हमेशा उनके साथ जुड़ी रहती है।

यह भजन भक्तों को भगवान श्री कृष्ण के प्रति गहरी श्रद्धा और भक्ति की प्रेरणा देता है, और यह दर्शाता है कि भगवान कृष्ण के साथ स्थापित यह अनमोल रिश्ता कभी भी टूटने वाला नहीं होता।